सांध्य दैनिक

# क्राईम स्टेरी

देहरादून, गुरूवार 22 जून 2017 (RNI No. UTTHIN/2009/30725) वर्ष 8, अंक 298 पृष्ठ 8 1.00 रूपये

# विधायक ने दी धमकी

## ☞मुस्टंडे, गेस्ट हाउस खा लिया ☞खुद तबादला करायेगा या मैं कराऊँ

प्रमुख संवाददाता

**देहरादून। विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान उत्तराखण्ड वासियों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वायदा किया था कि डबल इंजन की सरकार आने के बाद वह उत्तराखण्ड की निगेहबानी करेंगे और प्रदेश में किसी भी प्रकार का कोई भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। हैरानी वाली बात है कि अभी त्रिवेन्द्र सरकार को अस्तित्व में आये सौ दिन भी नहीं हुये कि उनके चंद विधायक राज्य के कुछ अफ्सरों के साथ खुलकर अपनी हैकडी दिखाने से पीछे नहीं हट रहे। भाजपा को उत्तराखण्ड विधानसभा चुनाव में मिले प्रचंड बहुमत के बाद तो चंद भाजपा नेताओं व विधायकों ने अपनी आंख में खटकने वाले प्रशासनिक व पुलिस अफ्सरों को एक-एक कर हटवाना शुरू किया है उससे राज्य में त्रिवेन्द्र सरकार के भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस के दावों पर एक बडा ग्रहण लगता हुआ दिखाई दे रहा है। ऐसा ही एक मामला हरिद्वार की एक विधानसभा सीट से चुनाव जीते भाजपा विधायक का सामने आया है। सत्ता के नशे में चूर विधायक ने एक वन अधिकारी द्वारा गेस्ट हाउस की पर्ची काटने पर उसे जमकर अपनी हेकडी दिखाई और यहां तक धमकी दे डाली कि तू मुस्टंडा गेस्ट हाउस को खा गया है तू अपना ट्रांसफ्र खुद करायेगा या मैं कराऊँ। विधायक द्वारा दी जा रही धमकी का ऑडियो वायरल हो रखा है जिससे साफसंकेत मिल रहे हैं कि सत्ता के गरूर में एक विधायक किस तरह से सरकारी अफ्सर को अपनी ताकत का रूतबा दिखा रहा है।**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भाजपा के सभी सांसदों को हद में रहकर काम करने की हिदायत देते आ रहे हैं और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी अपने सभी विधायकों को प्रशासनिक अधिकारियों से सभ्य भाषा में बात करने का अल्टीमेटम दे चुके हैं। हालांकि 13 जिलों वाले इस छोटे से प्रदेश में भाजपा के चंद नेता व कुछ विधायक दर्जनों अफ्सरों को अपनी ताकत का भौकाल दिखाने से पीछे नहीं हट रहे हैं ऐसा ही कुछ सोशल मीडिया में वायरल हुई भाजपा विधायक स्वामी यतीश्वरानंद की ऑडियों को सुनकर साफहो गया है कि प्रचंड बहुमत वाली सरकार के चंद विधायक किस तरह से कुछ अफ्सरों को अपनी ताकत का एहसास दिखाने में लगे हुए हैं। ऑडियों में हरिद्वार से भाजपा विधायक स्वामी यतीश्वरानंद इसी जनपद के एक वन अधिकारी को फोन पर पूछते हैं कि पांच सात दिन पूर्व उसने कितने रूपये की रसीद काटी थी जिस पर वन अधिकारी द्वारा बताया जाता है कि उसने साढे सात सौ रूपये की रसीद काटी थी। वन अधिकारी की इस बात को सुनकर विधायक धमकाते हैं कि जब उनका नाम लिया गया तो तुमने रसीद कैसे काटी। विधायक की इस बात को सुनकर वन अधिकारी ने कहा कि अगर वह बंगले में खुद आते हैं और रजिस्टर में एंट्री करेंगे तो उसकी कोई रसीद नहीं कटेगी आपके लिए फ्री है। इस पर विधायक ने वन अधिकारी को पाठ पढाया कि उनके लिए फ्री है तो यह कार्यक्रम भी तो उन्हीं का था। उन्होंने कहा कि एंट्री बाद में भी हो सकती थी तो तुझे बदतमीजी करनी जरूरी थी क्या? इस पर वन अधिकारी ने कहा कि नहीं सर ऐसा नहीं है। विधायक ने वन अधिकारी से दबंग लहजे में पूछा कि तूझे यहां कितना समय हो गया है तो वन अधिकारी ने कहा कि उसे आठ-नौ साल का लम्बा समय हो गया है। इस पर विधायक ने कहा कि ओहो आठ-नौ साल और कहा कि क्या तुम्हारे ट्रांसफ्र और दूसरी जगह नहीं होते क्या कोई नियम नहीं है। इस पर वन अधिकारी ने कहा कि ट्रांसफ्र होते हैं सर। इस पर विधायक ने दबंगई से कहा कि वह अपना ट्रांसफ्र खुद करायेगा या मुझे ट्रांसफ्र कराना पडेगा। इस पर वन अधिकारी ने साफकहा कि उनकी जैसी इच्छा हो वो करा दें। इस पर विधायक ने कहा कि तुम मुस्टंडे हो गये हो और नौ साल से गेस्ट हाउस को खा रहे हो तुम्हे शर्म नहीं आती कि विधायक के आदमियों से तुम पैसे ले रहे हो इस पर वन अधिकारी ने कहा कि उसे तो बताया गया था कि डाक्टर साहब आ रहे हैं यह नहीं बताया कि विधायक जी आ रहे हैं। इस पर विधायक ने वन अधिकारी को कहा कि तुझे इशारा कर दिया है याद रखाकर कि मेरे आदमी कौन-कौन हैं।

विधायक का मात्र साढे सात सौ रूपये के लिए वन अधिकारी को धमकाना इस ओर इशारा कर रहा है कि राज्य में सरकार किसी की भी आये लेकिन सत्ता के नशे में चंद विधायक अफ्सरों को अपनी दबंगता दिखाने से बाज नहीं आते?

# सरकार का 'अजय भट्ट' प्रेम

देहरादून। उत्तराखण्ड में त्रिवेन्द्र सरकार के काम करने के अंदाज से अफ्सरशाही भी हैरान है। अपने ही कई वायदों से जिस तरह से सरकार एकाएक मुकरी वह उत्तराखण्ड की जनता और अफ्सरशाही के मन में एक शंका पैदा कर गई कि आखिरकार सरकार दृढ़ निश्चय से काम क्यों नहीं कर रही? बीएसएफमें तैनात आईजी अभिनव कुमार को उत्तराखण्ड बुलाने के लिए सरकार के मुखिया ने केन्द्रीय गृह मंत्रालय को पत्र लिखा और चंद दिन बाद ही उन्हें उत्तराखण्ड में तैनाती न देने के लिए गृहमंत्रालय को पत्र लिखकर अफ्सरशाही को हैरान कर दिया था। हैरानी वाली बात है कि उत्तराखण्ड में डिप्टी एसपी की कोई कमी नहीं है लेकिन इसके बावजूद त्रिवेन्द्र सरकार ने मेघालय में बीएसएफमें उप सेनानायक के पद पर तैनात अजय भट्ट को उत्तराखण्ड में प्रतिनियुक्ति पर बुलाने के लिए गृह मंत्रालय को पत्र लिख दिया ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि आखिरकार सरकार ने 'अजय भट्ट' प्रेम दिखाने के लिए अपने कदम क्यों आगे बढायें?

उल्लेखनीय है कि भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेस के दावे करने वाले प्रदेश के मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र रावत ने कुछ समय पूर्व चंडीगढ़ बीएसएफ में तैनात आईपीएस अभिनव कुमार को अपना सचिव बनाये जाने के लिए केन्द्रीय गृह मंत्रालय को पत्र लिखा था लेकिन शासन के कुछ आईएएस अफ्सरों के दबाव के चलते मुख्यमंत्री ने चंद दिन बाद ही गृह मंत्रालय को पत्र लिखकर अभिनव कुमार को उत्तराखण्ड में तैनात ना करने का आग्रह कर दिया। सरकार के इस अजीब फैसले से ब्यूरोक्रेसी में सवाल उठे कि अगर अभिनव कुमार को उत्तराखण्ड लाना ही नहीं था तो फिर गृह मंत्रालय को पत्र लिखकर उन्हें उत्तराखण्ड में तैनात करने के लिए क्यूं कहा गया था? अब सरकार ने गृह मंत्रालय के अपर सचिव को पत्र लिखकर मेघालय बीएसएफ में उप सेनानायक के पद पर तैनात अजय भट्ट को उत्तराखण्ड राज्य में प्रतिनियुक्ति पर लिये जाने की मांग की है। गृह मंत्रालय से कहा गया है कि अजय भट्ट को उत्तराखण्ड राज्य में पुलिस विभाग में उप सेनानायक आईआरबी द्वितीय के पद पर तैनाती प्रदान किये जाने हेतु राज्य सरकार सहमत है। सवाल उठता है कि जब उत्तराखण्ड में डिप्टी एसपी की कोई कमी नहीं है तो फिर सरकार के सामने ऐसी कौन सी मजबूरी आ गई कि उसे मेघालय बीएसएफमें तैनात एक डिप्टी एसपी को उत्तराखण्ड आईआरबी में तैनात करने के लिए आगे आना पड़ा।

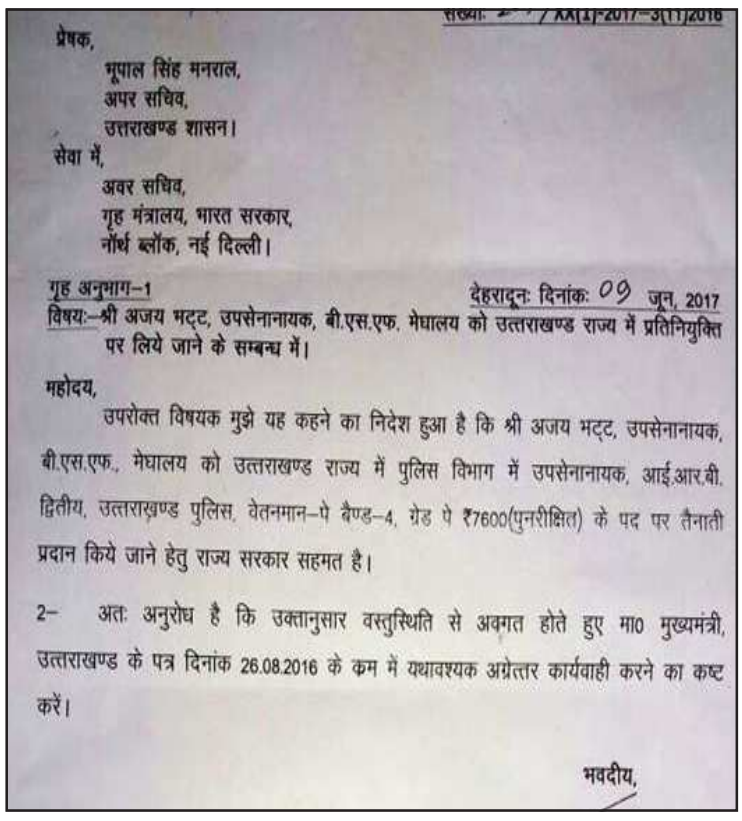

प्रेषक,
भूपाल सिंह मनराल,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,
अवर सचिव,
गृह मंत्रालय, भारत सरकार,
नॉर्थ ब्लॉक, नई दिल्ली।

गृह अनुभाग-1 देहरादूनः दिनांकः 09 जून, 2017

विषयः-श्री अजय भट्ट, उपसेनानायक, बी.एस.एफ. मेघालय को उत्तराखण्ड राज्य में प्रतिनियुक्ति पर लिये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री अजय भट्ट, उपसेनानायक, बी.एस.एफ., मेघालय को उत्तराखण्ड राज्य में पुलिस विभाग में उपसेनानायक, आई.आर.बी. द्वितीय, उत्तराखण्ड पुलिस, वेतनमान-पे बैण्ड-4, ग्रेड पे ₹7600(पुनरीक्षित) के पद पर तैनाती प्रदान किये जाने हेतु राज्य सरकार सहमत है।

2- अतः अनुरोध है कि उक्तानुसार वस्तुस्थिति से अवगत होते हुए मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड के पत्र दिनांक 26.08.2016 के कम में यथावश्यक अग्रेत्तर कार्यवाही करने का कष्ट करें।

भवदीय,

# बॉलीवुड का सबसे लंबा किस स्वास्तिका मुखर्जी के नाम

बॉलीवुड में इंटीमेट सीन का चलन जोरों पर है। आज की दौर में फिल्मों की बात करें तो बिना इंटीमेट सीन के किसी भी फिल्म को कम्प्लीट नहीं माना जाता है। वहीं ऐसे में एक एक्ट्रेस ने ऐसी सीन्स में भी रिकॉर्ड कायम कर लिया है। जी हां, सुनने में थोड़ा अजीब जरूर लगेगा लेकिन ये सच है।

बॉलीवुड की एक एक्ट्रेस ने अब तक का सबसे लंबा किस करने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। इस इंटीमेट सीन के बाद इस एक्ट्रेस की चर्चाएं जोरों पर हैं।

वहीं ये भी सामने आया है कि इस एक्ट्रेस ने पहले भी न्यूड सीन दिए हैं। वहीं इस एक्ट्रेस का ये हॉट अवतार देखकर आपकी भी नींदें उड़ जाएंगी।

हम बात कर रहे हैं बंगाली अभिनेत्री स्वास्तिका मुखर्जी की। स्वास्तिका बंगाली सिनोमा की सबसे हॉट अभिनेत्रियों में से एक हैं। जो अपनी बोल्डनेस के लिए मशहूर हैं। उन्होंने कई फिल्मों में जबदस्त इंटीमेट सीन दिए हैं। आगे देखें स्वास्तिका की बेहद हॉट तस्वीरें-

इस फिल्म में दिया किसिंग सीन

स्वास्तिका ने फिल्म डिटेक्टिव ब्योमकेश बख्शी में सबसे लंबा किसिंग सीन दिया था। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेता सुशांत सिंह थे।

इनके साथ फिल्माया गया सीन

सुशांत ने बंगाली ऐक्ट्रेस स्वास्तिका

मुखर्जी के साथ एक लिपलॉक सीन फिल्माया है।

पता ही नहीं था इन्हें

मजे की बात है कि जब सुशांत ने यह सीन फिल्माया तो उन्हें पता नहीं था कि वह सबसे लंबे किंसिंग सीन का हिस्सा बनने जा रहे हैं।

इन वजहों से भी रहीं सुर्खियों में

स्वास्तिका पर चोरी के साथ ही खुदकुशी की कोशिश करने के आरोप हैं। वहीं एक और बंगाली एक्ट्रेस पाउल डैम फिल्मों में अपने इंटीमेट सीन्स की वजह से विवादों में रहीं।

यहां से शुरूआत

13 दिसंबर, 1980 को कोलकाता में जन्मीं स्वास्तिका ने करियर की शुरुआत 2001 में टीवी सीरियल देवदासी से किया।

पहली फिल्म

उन्हें पहला लीड रोल 2004 में आई फिल्म मस्तान में मिला।

छोटी उम्र में शादी

1998 में स्वास्तिका ने 18 साल की उम्र में सिंगर परमीत सेन से शादी कर ली।

हालांकि ये शादी ज्यादा नहीं चली और दो साल बाद ही दोनों अलग हो गए।

चोरी करते पकड़ी गईं

स्वास्तिका सिंगापुर के एक ज्वैलरी मॉल में गोल्ड ईयर रिंग्स बैग में रखते हुए पकड़ी गई थीं।

कर चुकी है खुदकुशी की कोशिश

इससे पहले मई, 2014 में स्वास्तिका तब खबरों में आई थीं।

जब उन्होंने ब्वॉयफ्रेंड सुमोन की गिरफ्तारी का विरोध करते हुए सुसाइड की कोशिश की थी।

इन फिल्मों में किया काम

क्रिमिनल, मंत्रा, क्रांति, हैलो कोलकाता, पार्टनर, ब्रेक फेल, बॉय-बॉय बैंकॉक, नोंदिनी, मुंबई कटिंग, माछ मिष्टी एंड मोर, अमी आर अमार गर्लफ्रेंड्स, जातिश्वर, एबर शाबोर, डिटेक्टिव ब्योमकेश बख्शी, साहेब बीवी गोलाम।

# 16 साल बाद तेलुगु फिल्म से परदे पर लौटी के3जी की मालविका राज

सुपरहिट फिल्म 'कभी खुशी कभी गम' में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट नजर आईं अभिनेत्री मालविका राज बहुत जल्द तेलुगु फिल्म निर्देशक जयंत सी. परांजी की तेलगु फिल्म 'जयदेव' से बडे पर्दे पर वापसी कर रही हैं। साल 2001 में आई फिल्म कभी खुशी कभी गम में करीना कपूर के बचपन का रोल निभाने वाली मालविका राज अब पूरी तरह से बदल चुकी हैं। लगभग 16 साल बाद मालविका तेलुगू फिल्म 'जयदेव' के साथ वापसी कर रही हैं। यह फिल्म 9 जून को रिलीज हो रही है। मालविका ने हाल ही में यू एंड आई नाम की मैगजीन के जून माह के अंक के लिए फोटोशूट करवाया है, तस्वीर में वे बैकलेस दिख रही हैं। यह पहली बार है जब मालविका किसी मैगजीन के कवर पेज पर दिख रही हैं। फिल्म 'जयदेव' से मालविका के साथ घंटा रवि भी अपने करियर की शुरुआत कर रहे हैं। घंटा रवि आंध्र प्रदेश के मंत्री श्रीनिवासा राव के बेटे हैं। मालविका राज सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव हैं। बदलते वक्त के साथ अभिनेत्री का अंदाज बिल्कुल बदल चुका है। मालविका ने कहा, इन 16 सालों में मैंने अपनी पढाई के साथ-साथ कथक और वेस्टर्न डांस सहित अभिनय भी सीख लिया है। अनुपम खेर के एक्टिंग स्कूल से मालविका ने एक्टिंग का कोर्स पूरा किया है। कभी खुशी कभी गम में ऋतिक और शाहरुख के साथ काम कर चुकीं मालविका रणबीर कपूर की सबसे बडी फैन हैं। उन्होंने कहा, मौका मिला तो उनके साथ जोडी जमाना चाहूंगी। करण जौहर, इम्तियाज अली और राजकुमार हिरानी के साथ काम करने की इच्छा रखने वाली मालविका सुप्रसिद्ध निर्माता बॉबी राज और ख्यात चरित्र अभिनेता जगदीश राज की पोती हैं। जयदेव एक रोमांटिक एक्शन फिल्म जिसका निर्माण अशोक कुमार, निर्देशन जयंत सी.परांजी ने किया है। इस फिल्म की पटकथा हर्षवर्धन ने लिखी है और इसका संगीत मणि शर्मा ने दिया है। यह तमिल फिल्म 'सेतुपथी' का रीमेक है।

# अपने बच्चों के साथ इटली में कुछ यूं वेकेशन मना रहीं संजय दत्त की पत्नी मान्यता

इन दिनों संजय दत्त की पत्नी मान्यता दत्त इटली में अपने बच्चों के साथ वेकेशन एन्जॉय कर रही हैं. मान्यता दत्त अपने बच्चों शाहरान और इकरा के साथ इस ट्रिप को काफी इंजॉय कर रही हैं. मान्यता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इटली की कई सारी तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिससे यह साफ पता लगता है कि मान्यता अपने बच्चों के साथ जमकर छुट्टियां मना रही हैं. मालूम हो संजय दत्त मान्यता के इस टूर का हिस्सा नहीं बन पाएं हैं. इसके पीछे की वजह यह है कि वह अपनी आने वाली फिल्मों के लिए काफी व्यस्त चल रहे हैं. बता दें, संजय दत्त अपनी कम बैक फिल्म भूमि के तैयार होने का इंतजार कर रहे हैं तो वहीं अपनी दूसरी फिल्म साहेब बीवी और गैंगस्टर 3 की शूटिंग भी शुरू कर चुके हैं. बता दें, संजय दत्त और मान्यता की शादी 2008 में हुई थी. शादी के बाद से मान्यता हर मौके पर संजय दत्त का साथ देती नजर आती रही हैं. संजय दत्त और मान्यता की उम्र में करीब 20 साल का अंतर है. साल 2003 में आई प्रकाश झा की फिल्म गंगाजल में मान्यता ने एक आइटम सॉन्ग अल्हड़ जवानी में नजर आ चुकी हैं.

सांध्य दैनिक
क्राईम स्टोरी
website: www.crimestory.in
देहरादून
गुरूवार, 22 जून 2017

## P अ मुड़-मुड़ के न देख में तब्बू संग आयुष्मान की जोड़ी

बॉलिवुड अभिनेत्री तब्बू एक बार फिर से तैयार हैं अपने बेहतरीन अदाकारी दिखाने के लिए। तब्बू इन दिनों एक साथ दो फिल्मों की शूटिंग कर रही हैं। अजय देवगन के साथ जहां वह निर्देशक रोहित शेट्टी की सुपरहिट फिल्म गोलमाल के अगले भाग की शूटिंग में बिजी हैं, वहीं दूसरी ओर श्रीराम राघवन के निर्देशन में वह आयुष्मान खुराना के साथ फिल्म मुड़-मुड़ के न देख की शूटिंग करने में जुटी हैं। तब्बू और आयुष्मान खुराना स्टारर फिल्म का टाइटल लंबे समय से अटका था, अब जाकर फाइनल किया गया है। साल 1955 में आई राज कपूर की सुपरहिट फिल्म श्री 420 के गाने हिट गाने मुड़ मुड़ के ना देख की इस पहली लाइन को फिल्म का टाइटल बनाया गया है।

# डीएफओ पर सरकार की कृपा!

## आखिर कौन सा जीरो टॉलरेंस चल रहा उत्तराखण्ड में?

देहरादून/हरिद्वार। एक ओर सरकार राज्य में भ्रष्टाचार से निपटने व अधिकारियों पर नकेल कसने के लिए जीरो टॉलरेंस की बात करती है तो वही दूसरी और कई भ्रष्ट अधिकारी ऐसे भी है जो आज भी भ्रष्टाचार में लिप्त होते हुए भी जिले में मलाईदार पदों पर तैनात है ऐसे ही एक अधिकारी है हरिद्वार वन प्रभाग के डीएफओ इनके खिलाफएक और जंहा केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर कार्यवाही की मांग की है तो वंही अब हरिद्वार ग्रामीण से भाजपा विधायक ने भी मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजा है।

राज्य में सत्ता पर काबिज दल भले ही सुशाशन की बात करते रहे हो मगर यह कड़वा सच है की इस राज्य में काबिज सरकारी नौकरशाह अक्सर ही सुशासन के दावों को पलीता लगाते नजर आते है नौकरशाही में भ्रष्टाचार का ताजा मामला हरिद्वार वन प्रभाग से जुड़ा हुआ है यहा तैनात वन प्रभागीय अधिकारी को लेकर कुछ दिन पूर्व केंद्रीय वन पर्यावरण मंत्री ने राज्य के मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजने के साथ ही कार्यवाही की मांग की है मगर अभी तक जीरो टॉलरेंस के नाम पर को कार्यवाही नहीं की है वह डीएफओ एच के सिंह के खिलाफकोई कार्यवाही न होने से नाराज हरिद्वार ग्रामीण के भाजपा विधायक स्वामी यतीश्वरानंद ने भी मुख्यमंत्री को कड़ा पत्र लिखा है स्वामी का कहना है किन उनकी विधानसभा क्षेत्र के कई लोगो ने डीएफओ की शिकायत की है डीएफओ जब टिहरी वन प्रभाग में था तो उसके द्वारा कई कार्यो में अनियमिता की गयी थी मगर कार्यवाही कोई नहीं हुई अब वे जल्द ही इस मामले में जाँच करवाएंगे और उनके खिलाफ कठोर कार्यवाही की मांग करेंगे।

वहीं इस मामले को लेकर मेयर मनोज गर्ग का कहना है की विधायक ने अगर मामला उठाया है तो निश्चित गंभीर मामला है राज्य में किसी भी भ्रष्टाचारी अधिकारी को बक्शा नहीं जाएगा अगर दोष पाया जाता है तोइस मामले को लाकर दोषी अधिकारी पर कार्यवाही की जायेगी। वंही राज्य के शहरी विकास मंत्री मदन कौशिक ने मामले को गंभीरता से लेते जांच किये जाने की बात कही है उनका कहना है की भाजपा सरकार पूरी तोर पर जीरो टॉलरेंस के आधार पर कार्य कर रही है और पूर्व में कुछ अधिकारियों को दोषी पाए जाने पर कठोर कार्यवाही भी की गयी है और इस मामले को संज्ञान में ले कर जांच की जायेगी और अगर यह अधिकारी दोषी पाया गया तो उसके खिलाफ कठोर कार्यवाही की जायेगी। यह पहला मामला नहीं की जब किसी अधिकारी के खिलाफ ऊँगली उठी हो पहले भी कई बार्कई अधिकारियों के खिलाफभ्रष्टाचार के आरोप लगते रहे है मगर छोटा राज्य होने व् अपनी ऊँची पंहुच के चलते ये अधिकारी बार बार साफबच निकलने के बाद मलाईदार पदों पर भी तैनात होते रहे है मगर इस बार भी क्या कार्यवाही होगी यह देखने वाली बात होगी।

# ये गांव है कहाँ इंजीनियर साहब?

## ☞लोनिवि का कमाल गावों के नाम ही बदल दिए
## ☞लमराडा को लंगयडा, तो सोली को किया सौसी

**चंद्र प्रकाश बुडाकोटी 'प्रकाश'**

पौड़ी। यूँ तो लोक निर्माण विभाग अपनी कार्यशैली के कारण हमेशा चर्चाओ में रहता है लेकिन अबकी बार इस विभाग ने गावों के नाम ही बदल कर अर्थ का अनर्थ कर दिया इसे क्या कहेंगे। पर्यटन नगरी लैंसडोन से 12 किलोमीटर दूर रिखणीखाल मार्ग पर चुन्डई से एक किलोमीटर पहले पी डब्लू डी लैसडोन ने लगभग बारह किलोमीटर नई सड़क का निर्माण किया है जिन गांवो से होकर यह सड़क निकल रही है उन गांवो के नाम लोनिवि ने एक बोर्ड में लिखकर मुख्य मार्ग पर लगाया है।

इस बोर्ड को ही विभाग ने लाखो रुपये में बनाया है लेकिन इसमे लिखी सारी जानकारी ही गलत हो गई। इसमे गावों के नाम देख हर कोई यही कह रहा है की ये गांव है कहाँ। जो नाम इस बोर्ड में लिखे गए है। भवाली, लगयाडा, कोटखाल, सोसी, खुड़जोली, नोबगेट, जबकि इन नामो से कोई गांव है ही नहीं ये पीडब्लू डी के इंजीनियरों का कमाल नहीं तो क्या कहेंगे? क्षेत्रवासी संतोष कुमार कहते है इस विभाग में काम कैसे होता होगा है इससे अंदाजा लगाया जा सकता है।

विभाग ने तो गांवों के नाम ही बदलकर रख दिए। जबकि इन गांवों के मूल नाम भुवाली, लमराडा, सोली, कुणझोली, नावागैर, क्वाटा है।

# चिन्हिकरण की मांग को लेकर आंदोलनकारियों का धरना

**नगर संवाददाता**

देहरादून। चिन्हित राज्य आंदोलनकारी समिति ने आंदोलनकारियों को चिन्हित किये जाने की मांग को लेकर अपना धरना आज भी जारी रखा और कहा कि सरकार की ओर से शीघ्र ही कार्यवाही न किये जाने पर आंदोलन को तेज किया जायेगा।

यहां समिति से जुड़े हुए आंदोलनकारी शहीद स्थल पर इकटठा हुए और वहां पर उन्होंने सरकार के खिलाफप्रदर्शन करते हुए अपने धरने का जारी रखा। इस अवसर पर समिति से जुडे हुए आंदोलनकारियों द्वारा मांग की गयी है कि सरकारी नौकरियों में आरक्षण का लाभ मिल सके। उन्होंने मांग की है कि दस प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण का लाभ राज्य आंदोलनकारियो व आश्रितों को दिया जाये। सभी राज्य आंदोलनकारियों को ससम्मान एक समान पेंशन के दायरे में लाया जाये। आज तक जारी शासनादेश सख्ती से लागू करने के निर्देश जारी किये जायें। परिवहन निगम की बसों में आंदोलनकारियों के आश्रितों को भी निशुल्क यात्रा की सुविधा दी जाये। उनका कहना था कि राज्य आंदोलन की गरिमापूर्ण ऐतिहासिक भूमिका को समझते हुए राज्य आंदोलनकारियों की इन मांगों पर शीघ्र नीतिगत निर्णय लिये जायें। उनका कहना है कि सरकार उनके हितों के लिए गंभीर नहीं दिखाई दे रही है जिसके लिए जनांदोलन किया जायेगा।

उनका कहना है कि जिलाधिकारी कार्यालय में आंदोलनकारियों की पेंशन का ड्राफ्ट आने के बाद भी आज तक आंदोलनकारियों के खाते में नहीं डाला गया है जो चिंता का विषय है, उनका कहना है कि पेंशन राशि को शीघ्र ही खातों में नहीं डाला गया तो इसके लिए भी मोर्चा खोला जायेगा। उनका कहना है कि लगातार आंदोलनकारियों के हितों के लिए किसी भी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं की गई है और जिससे आंदोलनकारियों में रोष बना हुआ है। उनका कहना है कि दस प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण पर किसी भी प्रकार की कार्यवाही सरकार की ओर से नहीं की जा रही है यह खेदजनक विषय है। इस अवसर पर अनेक आंदोलनकारी मौजूद थे।

# आंगनवाडी कार्यकत्रियों का जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन

**नगर संवाददाता**

देहरादून। उत्तरांचल आंगनवाडी कर्मचारी संघ ने अपनी अनेक समस्याओं के समाधान के लिए जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन करते हुए जिला प्रशासन के जरिये प्रधानमंत्री को ज्ञापन प्रेषित करते हुए शीघ्र ही कार्यवाही किये जाने की मांग की है।

यहां उत्तरांचल आंगनवाडी कर्मचारी संघ से जुडे हुए कार्यकर्त्रियां जिलाधिकारी कार्यालय में इकटठा हुई और वहां पर उन्होंने अपनी अनेक समस्याओं के समाधान के लिए जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन करते हुए जिला प्रशासन के जरिये प्रधानमंत्री को ज्ञापन प्रेषित करते हुए शीघ्र ही कार्यवाही किये जाने की मांग की है। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि आंगनवाडी कार्यकत्रियों सहायिकाओं एवं मिनी आंगनवाडी कार्यकत्रियों को राज्य व केन्द्रीय कर्मगचारी घोषित किये जाने, और न्यूनतम वेतन अठठारह हजार रूपय महंगाई सहित दिये जाने, सेवानिवृत्त किये जाने पर ग्रेच्युटी एक्ट 1972 के अनुसार ग्रेच्युटी का भुगवान किया जाये और मिनी आंगनवाडी कार्यकत्रियों को पूर्ण आंगनवाडी के समकक्ष मानदेय व वेतन दिया जाये। उनका कहना है कि आंगनवाडी कार्यकत्री पद हेतु योग्यता रखने वाली सहायिका को कार्यकत्री के पद पर पदोन्नत किया जाये और देश में कार्यरत समस्त आंगनवाडी कार्यकत्रियों सहायिकाओं एवं मिनी आंगनवाडी कार्यकत्रियों को सामाजिक सुरक्षा जैसे बीमा, भविष्य निधि, ईएसआई एवं उपादान सुविधा से आच्छादित किया जाये और उन्हें लाभ प्रदान किये जाये।

वक्ताओं ने कहा कि वर्ष 1975 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्म दिवस दो अक्टूबर को देश में समेकित बाल विकास विभाग का शुभारंभ देश के बच्चों को कुपोषण से बचाने एवं महिला सशक्तिकरण की दृष्टि से हुआ था व परियोजना के यप में शुरू किया गया था।

वक्ताओं का कहना है कि आंगनवाडी कार्यकत्रियों सहायिकाओं और मिनी आंगनवाडी कार्यकत्रियों के अथक प्रयासों से कुपोषण से होने वाली बच्चों की मृत्यु दर 58 प्रति हजार से घटकर 37 प्रति हजार तक आ गई है और अनेकों केन्द्रीय एवं प्रांतीय प्रकल्पों में आंगनवाडी कार्यकत्रियां की भागीदारी रहती है।

## सम्पादकीय

# अतिक्रमण के नाम पर ड्रामेबाजी

राजधानी का जिला, पुलिस व नगर निगम प्रशासन हर छः माह बाद शहर की सड़कों पर अतिक्रमण हटाने की ड्रामेबाजी करने के लिए आगे आ जाता है और इसकी चपेट में सिर्फछोटे-मोटे दुकानदार ही आते हैं जो कि मुश्किल से अपने परिवार का पालन-पोषण अपने व्यवसाय से करते आ रहे हैं। बडे-बडे अतिक्रमणों को छेडने का साहस प्रशासन में कभी भी देखने को नहीं मिला जिससे हमेशा प्रशासन सवालों के घेरे में रहता है कि आखिरकार छोटे मोटे दुकानदारों के खिलाफअतिक्रमण अभियान चलाकर वह कौन सा मैडल जीतने के लिए हर छः माह बाद सडकों पर उतर आता है। उत्तराखण्ड में त्रिवेन्द्र सरकार अस्तित्व में आई और उसका अभी सौ दिन का कार्यकाल भी पूरा नहीं हुआ था कि एक बार फिर राजधानी में अतिक्रमण हटाने के लिए प्रशासन व पुलिस महकमा आज एक बार फिर आगे आ गया। अतिक्रमण हटाने के नाम पर सिर्फउन्हीं छोटे दुकानदारों पर गाज गिरी जो कि हर बार अतिक्रमण की चपेट में आते रहे हैं। शहर में आज जगह-जगह अतिक्रमण हटाओ अभियान दस्ते ऐसे मैदान में उतरे मानों उनके द्वारा हटाये जा रहे अतिक्रमण के बाद अब शहर की सड़कों व बाजारों में अतिक्रमण नहीं हो पायेगा। कितना बडा मजाक है कि जो प्रशासन हर छः माह बाद सड़कों पर अतिक्रमण हटाने की ड्रामेबाजी करने के लिए आगे आ जाता है उसे आये दिन पल्टन बाजार में दिखने वाला अतिक्रमण क्यों नजर नहीं आता यह एक बडा सवाल राजधानी में हमेशा उठता रहा है। पल्टन बाजार की दुकानों के बाहर भी पैसे लेकर फडियां व ठेलियां लगवाने वाले व्यापारियों के खिलाफ प्रशासन कभी भी सख्त होता हुआ दिखाई नहीं देता और उसका डंडा सिर्फउन्हीं पर चलता है जहां छोटा-मोटा अतिक्रमण सामान रखने के लिए हो रखा होता है। नगर निगम की कीमती जमीनों पर कब्जे हो रखे हैं लेकिन अपनी जमीन बचाने के लिए कभी भी नगर निगम प्रशासन आगे आता हुआ नहीं दिखाई दिया लेकिन अतिक्रमण अभियान में छोटे-मोटे अतिक्रमण हटाकर वह जिला प्रशासन के साथ अपने आपको जिस तरह से बाहुबली समझता आ रहा है उससे नगर निगम की कार्यशैली पर भी हमेशा उंगलियां उठती रही हैं। राजधानी में बार-बार अतिक्रमण हटाने का चाबुक गरीब दुकानदारों पर क्यों चलने लगता है यह सवाल हर उस छोटे दुकानदार के मन को विचलित करता है जिसका पूरा परिवार व्यवसाय से पल रहा है। शहर में कुछ इलाके चिन्हित कर जिस तरह से त्रिवेन्द्र सरकार ने उन पर डंडा चलाने के लिए अपने कदम आगे बढाये उससे शहर भर में सरकार की कार्यशैली पर सवाल खडे होने शुरू हो गये हैं और यह बात उठ रही है कि अगर सरकार बडे-बडे अतिक्रमणों को हटाने के लिए पहले आगे आती तो उससे आवाम के मन में भी एक सकून होता कि सरकार का डंडा सिर्फ छोटे दुकानदारों पर ही नहीं बल्कि बडी पहुंच रखने वालों पर भी चल रहा है। सरकार के अल्प कार्यकाल में अतिक्रमण पर चाबुक चलने से 2019 में भाजपा के लिए एक बडा संकट खडा हो सकता है जिसकी आहट अभी त्रिवेन्द्र सरकार शायद नहीं सुन पा रहे हों।

जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जरी
दूरबीन द्वारा ऑपरेशन की सुविधा
24 घंटे इमरजेंसी सेवा
• पित की थैली की पथरी
• हार्निया
• अपैंडिक्स
• गुर्दे की पथरी
• प्रोस्टेट
• बच्चेदानी की रसोली
• स्तन कैंसर
• थायरॉइड
• बवासीर
• हाईड्रोसील
तथा पेट के सभी ऑपरेशन
डॉ. मनीष आनन्द
MBBS, DNB (Surgery)
मो. 9410320903
भूतपूर्व सजर्न-
सर गंगाराम हॉस्पिटल, नई दिल्ली
- बत्रा हॉस्पिटल, नई दिल्ली
- श्री महन्त इन्द्रेश हॉस्पिटल, देहरादून
मिलने का समय
प्रातः दस बजे से दोपहर दो बजे तक
शाम पांच बजे से आठ बजे तक
विनायक सर्जिकल सेंटर
अपोजिट काली मंदिर एंक्लेव
मेन जीएमएस रोड, देहरादून
Mob.8439805474
Vinayak
SURGICAL CENTRE

# गुरूद्वारा सिंह सभा के गेट की सड़क तोड एम्बुलेंस का रास्ता किया बंद

**नगर संवाददाता**

देहरादून। अतिक्रमण के नाम पर गुरूद्वारा साहिब के गेट के सामने की सड़क खुदवाकर एम्बुलेंसों एवं यात्रियों की गाडियों का बाहर निकलना मुश्किल कर दिया, जबकि यह सड़क चिन्हित भी नहीं की गई है। बिना नोटिस के सडक उखाड बीच सडक में फैला दिया गया मलवा और जिससे जाम जग गया एवं वाहनों एवं पैदल चलने वालों के लिए भी अडचन बन गई।

यहां आढत बाजार स्थित गुरूद्वारा सिंह सभा से जुडे हुए पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने इस प्रकार की कार्यवाही का विरोध किया और वक्ताओं ने कहा कि जहां से सडक तोडी गई वहां बिजली का खम्बा लगा हुआ है जिस कारण यातायात की असुविधा बनी हुई है एडीएम प्रशासन को जब जगह का मुआयना करवाया गया तो उन्होंने इधर उधर फोन घुमाया लेकिन कोई भी समाधान नहीं हुआ एवं यह कह कर चले गये कि कामले का हल निकालते है जब पीडब्ल्यूडी के इंजीनियर को कहा कि बिना चिन्हित किये स्थान को क्यों तोडा गया तो जवाब मिला हमार तो तोडना है आप बनवा लो, जब पहले खम्बा हटाने को कहा तो बोल इसके टेंडर मांगें गये है बाद में होगा जिससे जाम लगता है वह तो हटाया नहीं। वहीं एम्बुलैंस एवं यात्रियों की गाडियों का बाहर निकलने का रास्ता बंद कर सडक को बाधित कर गये जिसका संगत, यात्रियों एवं बाजार वालों ने घोर विरोध किया। उनका कहना है कि सडक नहीं खुदती तो यातायात बाधित नहीं होता। इस अवसर पर गुरूद्वारा सिंह सभा के उपाध्यक्ष जगमिन्द्र सिंह छाबडा, गुरूबक्श सिंह, सेवा सिंह मठारू, विनय गोयल, जगमोहन सिंह, हैड ग्रंथी शमशेर सिंह, संगत एवं श्रद्धालु मौजूद थे।

**उत्तरांचल बैंक एम्प्लाइज यूनियन के कार्यालय का उदघाटन 25 को**

**नगर संवाददाता**

देहरादून। उत्तरांचल बैंक एम्प्लाइज यूनियन के कार्यालय का उदघाटन 25 जून को सुबह 9.30 बजे राष्ट्रीय महामंत्री सीएच वेंटचलम द्वारा आरती शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में किया जायेगा।

यहां जानकारी देते हुए उत्तरांचल बैंक एम्प्लाइज यूनियन के महामंत्री जगमोहन मेंदीरत्ता ने बताया कि इसके बाद 10 बजे देश मे बैंकिंग नीतिओ के बारे में प्रेस को उसी कार्यलाय में संबोधित करेंगे एवं तत्पश्चात 11 बजे से उत्तराखंड में कार्यरत सभी महिलाओं व युवा कर्मियो का एक सम्मेलन मनभावन वेडिंग पॉइंट सहारनपुर रोड में होगा जिसमें उत्तराखंड की शीर्ष महिलाये संबोधित करेंगी।

**-: कार्यालय पता :-**
विंडलास शौपिंग काम्पलैक्स
(एमबैस्डर होटल)
शॉप नं. 38, नियर
धारा चौकी, देहरादून (यू.के.)

# कैमरे की नजर से अतिक्रमण हटाओ अभियान

# एसडीआरएफ ने मनवाया अपना लोहा

देहरादून। आज पुलिस लाईन, देहरादून में सतोपंथएक्सपेडिशनका फ्लैग-इन प्रोग्राम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि एम०ए०गणपति,पुलिस महानिदेशक उत्तराखण्ड रहे। ज्ञातव्य हो कि राज्य में हिमालय क्षेत्रों में होने वाली किसी भी दुर्घटना,खोज,एवं बचाव अभियानों के दौरान होने वाली मानव क्षति न्यूनीकरण की सफ्लता की दर को बढाने एवं तकनीकी कार्यशैली एवं कार्यक्षमता बढाये जाने के दृष्टिगत एस०डी०आर०एफकी17 सदस्यीय माउण्टेनियरिंग टीम को उच्च तुगंता क्षेत्रों में प्रशिक्षण हेतु दिनांक:-18.05.2017को एम०ए०गणपति,पुलिस महानिदेशक,उत्तराखण्ड द्वारा पुलिस मुख्यालय से सतोपंथ पर्वत (उचाई23263फीट) अभियान के लिये फ्लैग-आफ किया गया था। इस पूरे अभियान एवं प्रशिक्षण का निर्देशन संजय गुंज्याल, पुलिस महानिरीक्षक, एस०डी०आर०एफ० एवं नेतृत्व नवनीत सिंह भुल्लर, उपसेनानायक, एस०डी०आर०एफ० द्वारा किया गया ।

सतोपंथ प्रशिक्षण/आरोहण दिनांक:- 18.05.2017 से आरम्भ हुआ तथा दिनांक :-10.06.2017 को एस०डी०आर०एफ०की टीम द्वारा विषम परिस्थितियों में23263फीट ऊची चोटी संतोपंथ का आरोहण किया गया। दिनांक०5 जून 2017 को वासुकीताल से०8किमी. आगे करीब 5200 मीटर की ऊंचाई पर०6 सदस्यी पर्वतारोही दल के एक पर्वतारोही प्रयांग चौधरी, निवासी-नोएड़ा,उम्र करीब24वर्ष के एडवांस बैस कैम्प व कैम्प०1के मध्य मौजूद सुराले ग्लेशियर में5०फीट गहरे कैरावास में गिर जाने पर एस.डी.आर.एफ की हाई एल्टिट्यूड रेस्क्यू टीमद्वारा विषम भौगोलिक परिस्थिति में भी अदम्य साहस का परिचय देते हुयें5०फीट गहरे कैरावास से चोटिल पर्वतारोही प्रयांग चौधरी को निकाला गया व मौके पर प्राथमिक उपचार प्रदान किया गया।

आयोजन के दौरान मुख्य अतिथि श्री एम०ए०गणपति द्वारा माउण्टेनियरिंग दल के सभी सदस्यों को प्रशस्ति पत्र वितरित किया गया । आयोजन के मुख्य अतिथि श्री एम०ए०गणपति एवं अन्य

उच्चअधिकारियों को एस०डी०आर०एफ० की ओर से मोमेन्टो दिया गया।

गणपति ने अपने सबोधन में एसडीआरएफके कार्यो के सराहना की,एवं बताया गया कि भविष्य में भी एसडीआरएफमाउन्टेनिंग टीम के द्वारा इसी प्रकार केम्श्चमकपजपवदकिये जायेगे जिससे उच्च तुगंता क्षेत्रों में रेस्क्यू कार्यो को मजबूती प्रदान हो सके। इस अवसर पर अशोक कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक,प्रशासन,श्री राम सिंह मीणा,अपर पुलिस महानिदेशक,अपराध एवं कानून व्यवस्था, दीपम सेठ, पुलिस महानिरीक्षक, अपराध एवं कानून व्यवस्था, श्री संजय गुंज्याल, पुलिस महानिरीक्षक, एस०डी०आर०एफ०, अमित सिन्हा, पुलिस महानिरीक्षक,संचार/फायर एवं श्रीमति रिधिम अग्रवाल, सेनानायक एस०डी०आर०एफ०, बलिन्दर जीत सिंह, पुलिस अधीक्षक, अभिसूचना मुख्यालय, देहरादून, श्रीमती निवेदिता कुकरेती,विरिष्ट पुलिस अधीक्षक,देहरादून,श्री नवनीत सिंह भुल्लर,उपसेनानायक,एसडीआरएफ,श्री शिवकुमार, सहायक सेनानायक, एसडीआरएफ निरीक्षक जगदीश चन्द्र पंत, एसडीआरएफ उपस्थित रहे।

माउण्टेनियरिंग टीम के 17 सदस्य टीम में सम्मिलित रहे संजय गुज्याल, पुलिस महानिरीक्षक,एस०डी०आर०एफ०,श्री नवनीत सिंह भुल्लर, उपसेनानायक, एस०डी०आर०एफ०,श्री सतीश शर्मा,उपनिरीक्षक, एच०ओ० नासिर अली,आरक्षी सूर्यकान्त उनियाल,आरक्षी विजेन्द्र कुडियाल,आरक्षी सुशील कुमार,आरक्षी मनोज जोशी,आरक्षी दीपक पन्त,आरक्षी विरेन्द्र काला,आरक्षी दीपक नेगी,आरक्षी दिगम्बर सिंह,फायरमैन रवि चौहान,फायरमैन रोशन कोठारी, फायरमैन प्रवीण कुमार, फायरमैन योगेश रावत,पैरामेडिक्स विनय मोहन ।

# नैनीताल हाईकोर्ट का एसिड अटैक मामले में बड़ा फैसला

## पीड़ित को 5 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश

नैनीताल। नैनीताल हाईकोर्ट ने महिलाओ पर एसिड अटैक के मामले में बडा फैसला देते हुए राज्य सरकार को दिए है की वो एसिड अटैक पीड़ित की तुरंत एफआईआर दर्ज करे, साथ ही खुले में एसिड की बिक्री पर रोक लगाने के आदेश देते हुए एसिड अटैक पीड़ित को तुरंत 1 लाख का मुवावजा और 7 हजार प्रति माह देने के निर्देश दिए है।

एसिड अटैक मामले में रुड़की के एक मामले सुनवाई करते हुए हाईकोट की खंडपीठ ने कड़ा कदम उठाते हुए एसिड अटैक के आरोपी के खिलाफ 7 दिन में रिपोर्ट दर्ज कर न्यायालय में पेश करने के आदेश दिए हैं।

साथ ही हाईकोर्ट की खंडपीठ ने एसिड अटेक के मामले में

1 चार सप्ताह में क्रिमिनल इंजरी कंपनशेसन बोर्ड का गठन करने,,

2 सभी प्राइवेट अस्पताल एसिड पीड़ित को मेडिकल एड मुहैय्या कराने

3 खुले में एसिड की बिक्री पर रोक लगाने

4 लाइसेंस धारी ही एसिड बेचने

5 बिना लाइसेंस एसिड की बिक्री करने वालों पर एफआई आर दर्ज करने के आदेश दिए है।

# ट्यूबलाइट को बम्बर ओपनिंग मिलनी तय

## चंद घंटो मे बिके प्रथम दिन के सभी पांचो शो के टिकट

ऋषिकेश। टिकट खिड़की पर एडवांस बुकिंग को लेकर उमड़ी सिने प्रेमियों की जबरदस्त भीड़। हम बात कर रहे हैं सलमान स्टारर ट्यूबलाईट फिल्म की जिसकी रीलीज को लेकर यहाँ सिने प्रेमियों मे गजब के उत्साह का माहौल है।दबंग खान की ट्यूबलाइट फिल्म ऋषिकेश के रामा पैलेस थियेटर मे बाहुबली के सर्वाधिक कलैक्शन के रिकॉर्ड को धवस्त कर सकती है।

बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित और बहुचर्चित फिल्म ट्यूबलाइट का प्रदर्शन आँल इडिंया प्रीमियर के साथ होने जा रहा है। यहाँ के सिनेमाघर मे भी इस फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू कर दी है। आँन लाईन बुकिंग मे जबरदस्त रिसपॉन्स के चलते महज कुछ ही घंटो मे फिल्म के

अधिकांश टिकटों की बुकिंग की जा चुकी है,जिसे देख फिल्म की बम्पर ओपनिंग तय मानी जा रही हैथियेटर के संचालक अशोक कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि सिने प्रेमियों मे फिल्म को लेकर अभूतपूर्व जोश देखने को मिल रहा हैबुकिंग खुलते ही जो रिस्पॉन्स मिला है वो सिनेमा जगत के लिए उत्साह जगाने वाला हैबालीवुड मे बाहुबली के बाद अब एक बार फिर दर्शकों की भीड़ थियेटर मे उमड़ने की झलक अभी से ही दिखने लगी है।उन्होने बताया कि फिल्म की टिकट दरों में कोई इजाफा नही किया गया है।

# उत्तराखण्ड में नहीं चलते सुप्रीम कोर्ट-हाईकोर्ट के आदेश

**नगर संवाददाता**

देहरादून। सेवानिवृत्त सिचाई व अन्य कर्मचारियों को पेंशन दिलाने को लेकर जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष एवं जीएमवीएन के पूर्व उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमण्डल ने मुख्य सचिव एस रामास्वामी को ज्ञापन सौंपा। मुख्य सचिव ने हैरानी जताई कि सुप्रीम कोर्ट में सरकार की एसएलपी खारिज होने के बाद पुन: हाईकोर्ट में विशेष अपील योजित करना कैसे न्यायसंगत हो सकता है, उन्होंने तत्काल सचिव सिंचाई को पत्रावली प्रस्तुत करने के निर्देश दिये एवं उचित कार्यवाही का भरोसा दिलाया।

नेगी ने कहा कि सिंचाई विभाग के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को 30-35 वर्ष की वर्क चार्ज (कार्य प्रभारित) सेवा, जिसमें 10 वर्ष से कम स्थायी सेवा करने से पूर्व अधिवर्षिता आयु पूर्ण कर चुके कर्मचारियों को सरकार द्वारा कोई पेंशन इत्यादि का लाभ नहीं दिया जाता है।

नेगी ने कहा कि उक्त मामले में कर्मचारियों द्वारा उच्च न्यायालय में योजित वाद जिसमें 28 अगस्त 2010 के द्वारा सरकार को आदेश दिये गये थे कि कर्मचारियों द्वारा 10 वर्ष की स्थायी व अस्थायी सेवा पूर्णकर चुके सभी कर्मचारी पेंशन इत्यादि के पात्र हैं, लेकिन सरकार द्वारा उच्च न्यायालय के समक्ष अपील योजित की गयी, जिसको उच्च न्यायालय अपने आदेश 22 अप्रैल 2013 के द्वारा खारिज कर चुका है। उक्त के उपरान्त सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट में 2014 दाखिल की गयी, जिसको सुप्रीम कोर्ट अपने आदेश तीन नवम्बर 2014 के द्वारा खारिज कर चुका है।

उनका कहना है सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी खारिज होने के पश्चात् सरकार द्वारा पुन: उच्च न्यायालय में विशेष अपील योजित की गयी, जिसको उच्च न्यायालय अपने आदेश 17 अक्टूबर 2016 के द्वारा खारिज कर चुका है। उक्त के उपरान्त

सरकार द्वारा पुन: सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गयी जिसको सुप्रीम कोर्ट अपने आदेश सात अप्रैल 2017 के द्वारा खारिज कर चुका है, जिसमें सुप्रीम कार्ट ने स्पष्ट निर्देश जारी किये है। नेगी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट के आदेश उत्तराखण्ड में नहीं चल रहे हैं अब सिर्फ अर्न्तराष्ट्रीय अदालत ही बची है, जिसका कहना शायद टीएसआर सरकार माने। इस अवसर पर प्रतिनिधिमण्डल में दिलबाग सिंह, ओ पी राणा, प्रभाकर जोशी, रवि भट्टनागर आदि शामिल थे।

# संगीत की दुनिया मे ऋषिकेश की बेटी कविता गौदियाल ने मचाई धूम

**अमित सूरी**

ऋषिकेश। तीर्थ नगरी की बेटी ने संगीत के क्षेत्र मे अपनी दिलकश आवाज के जरिए इन दिनों धूम मचा रखी है।जी हाँ हम बात कर रहें हैं उभरती हुई गायिका कविता गौदियाल की जिनके द्वारा हाल मे ही रीलीज हुई हाँफ गर्ल फ्रेन्ड का कवर वर्जनष् मे फिर भी तुमको चाहुंगा ष्श्रोताओं को खूब पंसद आ रहा है।

इससे पहले उनके द्वारा गाये मे अनाड़ी तू खिलाड़ी फिल्म के टाईटल साँग चुरा के दिल मेरा ने भी खूब जलवा बिखेरा था।यू टयूब पर भी लाखों लोगों द्वारा इसके लिए कविता को खूब दाद मिली थी।उनके टेलेंट को वर्षो पहले देश मे संगीत की सबसे बड़ी कम्पनी माने जाने वाली टी सीरीज द्वारा पहचान लिया गया था।शायद यही वजह भी रही कि टी सीरीज ने उन्हे कई एलबमो मे भजन गायिका के तौर पर उन्हे भरपूर मौके भी दिए।

कहते हैं पूत के पाँव पालने मे नजर आ जाते हैं लेकिन इस कहावत को ऋषिकेश की बेटी कविता ने भी सच साबित कर दिखाया है।विख्यात भजन गायक पवन गौदियाल की बेटी कविता आज बालीवुड के फलक पर पार्श्व गायिका के तौर पर मजबूत कदम बड़ा चुकी है।बचपन से ही अपने पिता के साथ भजन संध्याओं मे गाते गाते कब संगीत का यह शौक उसकी दुनिया बन गया उसे खुद भी न पता चला। स्थानीय संवाददाता से एक खास मुलाकात मे कविता ने बताया कि संगीत की शिक्षा उसे सही मायनों मे घर से ही मिली आज वह जिस भी मुकाम पर पहुंची हैं उसमें उनके पिता का बहुत बड़ा योगदान है,जिन्होंने मुझे बचपन से ही एक ही शिक्षा दी थी कि संगीत के क्षेत्र मे कामयाबी की बुलंदियों को छूना है तो संगीत को ही ईश्वर मानकर इसी मे ही रम जाओ।टी सीरीज की अनेको ऐलबमों मे अपनी आवाज के जादू से श्रोताओं के दिलों दिमाग पर छा जाने वाली कविता गौदियाल के अनुसार कुछ बड़ी फिल्मों के प्रोजेक्ट मे उसकी बातचीत फाईनल दौर मे है जल्द ही पार्श्व गायिका के रुप वह एक खास पहचान बनाने के अपने सपने को साकार कर लेगीं।

**कविता गौदियाल की सफलता पर क्या कहती हैं उसकी शिक्षिकाएं**

कविता गौदियाल की सफलता पर उसकी शिक्षिकाएं भी बेहद खुश हैं।मनीराम मार्ग स्थित बाल भारती माटेंसरी स्कूल मे पाचँवी तक पड़ाई करने वाली कविता की पहली शिक्षिका स्कूल की प्रधानाध्यापिका कमलेश गुप्ता थी ।संगीत शिक्षिका होने के नाते बालपन मे ही उन्होने कविता के टेलेंट को पहचान लिया था।

बकौल श्रीमती गुप्ता के अनुसार कविता की सफलता स्कूल के लिए ही नही बल्कि तीर्थ नगरी के लोगों के लिए भी गौरव की बात है।

ऋषिकेश के हरिचंद गुप्ता आर्दश बालिका इण्टर कालेज की प्रधानाध्यापिका पूनम रानी शर्मा के अनुसार विधालय मे आयोजित होने सांस्कृतिक कार्यक्रमों मे वह बड़चड़ कर हिस्सा लेती थी।उस दौरान उनके द्वारा प्रस्तुत किए देशभक्ति के गीतो से ही उसकी प्रतिभा की झलक दिखने लगी थी। उसकी कामयाबी विधालय के लिए गौरव की बात है।

## तहबाजारी दुगुनी किए जाने के विरोध मे

# सब्जी-फल विक्रेताओं की हड़ताल

### *पालिका प्रशासन के खिलाफजलूस निकाल किया प्रदर्शन*

ऋषिकेश। नगरपालिका प्रशासन द्वारा तहबाजारी दुगुनी करने के विरोध मे आज फुटकर फ्ल एवं सब्जी विक्रेताओं ने हड़ताल कर दी। तहबाजारी की डबल मार से उबाल खाये सैकड़ो फ्ल एवं सब्जी विक्रेता आज सड़को पर उतर आये और जलूस निकालकर पालिका प्रशासन के खिलाफजबरदस्त प्रदर्शन किया।

आज शहर मे फ्ल एवं सब्जी विक्रेताओं ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखे और दोपहर बाद रेलवे रोड़ स्थित एक धर्मशाला मे बेठक कर पालिका प्रशासन के खिलाफ मुखर होकर प्रदर्शन करते हुए जलूस निकाला।

हरिद्वार रोड़ होते हुए नगरपालिका परिषद पहुंचे जलूस के दौरान जोरदार नारेबाजी के साथ पालिका प्रशासन से दुगुनी की गई तहबाजारी वापस लेने की मांग की गई। इस दौरान प्रदर्शनकारियो को सम्बोधित करते हुए समिति के संरक्षक राम कृपाल गौतम व अध्यक्ष राजू गुप्ता ने कहा कि महगाई के सबसे बुरे दौर से गुजर से गरीब आदमी के रोजगार पर पालिका प्रशासन तहबाजारी को दुगना कर उनकी मुश्किलें और बडाने का काम कर रही है, जिसे किसी सूरतेहाल मे बर्दाश्त नही किया जायेगा। उन्होने कहा कि यदि पूर्ववर्ती तहबाजारी लागू न की गई जो मजबूरन फ्ल एवं सब्जी विक्रेता समिति को आन्दोलन को और अधिक धार देने

के लिए विवश होना पड़ेगा जिसकी सारी जिम्मेदारी पालिका प्रशासन की होगी। प्रर्दशनकारियो मे मुन्ना साहनी, विजय जायसवाल, सोनू गुप्ता, धुव्र वर्मा, अन्नू गुप्ता, विनोद वर्मा, हरेन्द्र चौरसिया आदि प्रमुख रूप से शामिल थे।

# भारत गैस एजेंसी के डीलर की हत्या

**कर्मचारी ने चाकू से किये कई वार** **वारदात के बाद खुद पहुंचा कोतवाली**

डीलर विशाल अग्रवाल

नैनीताल। रामनगर में आज दिन दहाड़े भारत गैस एजेंसी के डीलर विशाल अग्रवाल की हत्या उनके ही कर्मचारी नरेंद्र ने विशाल के पेट में चाकू मार कर दी और वारदात को अंजाम देने के बाद खुद ही रामनगर कोतवाली में पहुंच गया। दिन दहाड़े व्यापारी के साथ हुई वारदात से रामनगर में दहशत का माहौल पैदा हो गया, वहीं विशाल की मौत की खबर सुनने के बाद से उनके घर में कोहराम मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गैस एजेंसी में नरेन्द्र कार्य करता था तथा बताया जा रहा है कि उसने आज सुबह किसी बात को लेकर इस घटना को अंजाम दिया, विशाल को ईलाज के लिये काशीपुर रेफर किया गया लेकिन रास्ते में ही विशाल की मृत्यु हो गई, पुलिस पीएम की कार्यवाही कर रही है, बरहाल खबर लिखे जाने तक पुलिस को कोई तहरीर नहीं दी गई है। कयास लगाये जा रहे है कि हिसाब किताब को लेकर हो सकता है इस घटना को अंजाम दिया गया हो। विशाल की मौत की खबर के बाद से एजेंसी के आस पास की दुकाने बंद है और हर कोई गम में डुबा हुआ है।

हत्यारोपी कर्मचारी

# हड़ताल से सब्जी मंडी मे पसरा सन्नाटा, लोगों ने झेली मुश्किलें

ऋषिकेश। फ्ल एवं सब्जी विक्रेताओं की हड़ताल से शहर की सब्जी मंडी मे आज सन्नाटा छाया रहा।आम जनता को हड़ताल के चलते आज खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

विश्व प्रसिद्ध चारधाम यात्रा के दौरान नगर मे अचानक से फ्ल एवं सब्जी विक्रेताओं द्वारा की गई हड़ताल कई सवालो को जन्म दे गई।फ्ल एवं सब्जी मंडी बंद रहने से गृहणियो को जहां सबसे ज्यादा मुश्किलों से दौचार होना पड़ा वहीं रोगियों को भी हरी सब्जी और फ्ल न मिलने की वजह से आज खासी दिक्कतें झेलनी पड़ी।हेरत की बात यह रही कि प्रशासन को भी फ्ल एवं सब्जी विक्रेताओं के हड़तकाल पर जाने की कोई खबर नही लगी।जोकि

प्रशासनिक चूक की और भी इशारा करता है।

वृहस्पतिवार के साप्ताहिक अवकाश पर आज हरिद्वार रोड़ स्थित सब्जी मंडी भी बंद रहने से आज बाजारों मे इसका असर देखने को मिला।सुबह खरीदारी के लिए सब्जी मंडी पहुंचे लोगों को सब्जी मंडी बंद देख मायूस होकर वापिस लोटना पड़ा।गर्मी के मौसम मे अमूमन लोग रौजाना ताजी सब्जियां ही लेना पंसद करते हैं लेकिन उनकी यही आदत आज भारी पड़ गई।कई घरों मे आज सब्जियां पकी ही नही तो अनेको घरो मे जेसे तेसे काम निपटाने की जानकारी भी सामने आई है।बड़ा सवाल यह है कि तहबाजारी के मामले मे पालिका प्रशासन के फरमान के बावजूद फ्ल एवं ठेली वालों के रूख को उपजिलाधिकारी महोदय क्यूँ नही भांप पाए। इस मसले पर उनके रूख पर भी अब सैकड़ों निगाहें लग गई हैं।

## मिक्स्ड मार्शल आर्ट स्कूल लॉन्च करेंगे टाइगर

टाइगर श्रॉफ ऑन्त्रप्रन्योर और फिल्म प्रड्यूसर इम्तियाज खत्री के साथ मिलकर जल्द ही पूरे देश में मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स ट्रेनिंग स्टूडियो शुरू करने वाले हैं। इस कड़ी का पहला ट्रेनिंग स्कूल बांद्रा में लॉन्च भी हो गया है। टाइगर-इम्तियाज की प्लानिंग है कि अगले दो साल में ऐसे 12 स्टूडियो शुरू किए जाएं। इस खबर को कन्फर्म करते हुए टाइगर कहते हैं, मैं इस प्रोजेक्ट को लेकर इम्तियाज के साथ जुड़कर काफी खुश हूं। यह प्रोजेक्ट मेरे दिल के बहुत करीब है। मैं खुद मार्शल आर्ट्स का स्टूडेंट हूं और हमेशा रहूंगा। यह खेल ग्लोबल स्तर पर बहुत ही तेजी से आगे बढ़ रहा है। मेरी पहली फिल्म हीरोपंती के बाद मुझे जो प्यार फैन्स की तरफ से मिला, खासकर यंग लोगों की तरफ से, मैं उसके बदले में सोसायटी को कुछ देना चाहता था।

सांध्य दैनिक
क्राईम स्टोरी
website: www.crimestory.in
देहरादून
गुरूवार, 22 जून 2017

# अतिक्रमण के नाम पर सरकार की 'दबंगई'

## वर्षों पुराने व्यापारियों की भी टूटी दुकानें

**नगर संवाददाता**

देहरादून। राजधानी में प्रस्तावित मॉडल रोड बनाये जाने को लेकर तैनात मजिस्ट्रेटों एवं भारी पुलिस बल की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाओ अभियान के चलते हुए छह टीमों के द्वारा अलग अलग क्षेत्र में चलाये गये अतिक्रमण पर जगह जगह जेसीबी खूब गरजी और चिन्हित किये गये अवैध अतिक्रमणों को ध्वस्त कर दिया गया और कई स्थानों पर व्यापारियों ने इस अभियान का विरोध किया और कहीं कहीं तीखी झडपें व नोकझोंक हुई, लेकिन अतिक्रमणकारी दस्ते ने किसी की भी एक नहीं सुनी और घंटाघर एवं दर्शनलाल चौक पर कई वर्षों से अपना कारोबार चलाने वाले दुकानदारों की दुकानों को तोड़ दिया गया और वह दुकानदार अब सड़क पर आ गये। वहीं भाजपा व कांग्रेस के नेताओं ने अतिक्रमण का विरोध किया और धरने पर बैठ गये। वहीं यह अभियान नौ मजिस्ट्रेटों एवं छह जोनों में एक साथ चलाया गया और कई क्षेत्रों में इसके लिए मुनादी भी गई।

यहां सुबह से ही शहरी विकास मंत्री के आदेश पर छह टीमों को अलग अलग क्षेत्र में मैदान में उतारा गया और इस टीम ने आईएसबीटी से लेकर घंटाघर तक अतिक्रमण अभियान को चलाया और घंटाघर से लेकर दर्शनलाल चौक एवं तहसील व ईनामुल्ला बिल्डिंग पर जबरदस्त तोड़फोड अभियान दल ने की और यहां पर दुकानदारों ने इसका विरोध किया और वहीं दर्शनलाल चौक पर भाजपा महानगर अध्यक्ष उमेश अग्रवाल एवं अन्य व्यापारियों ने सरकार की इस कार्यवाही का विरोध किया और वहीं धरने पर बैठ गये, बाद में पुलिस ने सभी को वहां से हटा दिया। वहीं यह अभियान नौ मजिस्ट्रेटों एवं छह जोनों में एक साथ चलाया गया और कई क्षेत्रों में इसके लिए मुनादी भी गई। छह जोनों में एक साथ चलाये गये इस अभियान में 374 अतिक्रमणों को तोडा जाना है। वहीं कई क्षेत्रों में व्यापारियों ने

**○दून उद्योग व्यापार मंडल कल करेगा व्यापार बंद**
**○नौ मजिस्ट्रेटों की मौजूदगी में हटाया गया अतिक्रमण**
**○भाजपा एवं कांग्रेस नेताओं ने जताया विरोध, धरना**

इस प्रकार की कार्यवाही का विरोध किया और शहरी विकास मंत्री के खिलाफ भी नारेबाजी की। वहीं दूसरी ओर राज्य सरकार के आदेश पर शासन द्वारा आज अतिक्रमण हटाओ अभियान के चलते आईएसबीटी से घंटाघर तक सड़क किनारे दुकानों को तोड़ा गया, जिसका तत्काल संज्ञान मिलने पर राजपुर रोड़ से पूर्व विधायक राजकुमार द्वारा घंटाघर पर जाकर व्यापारीयों से मुलाकात की गई। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के इस कदम से व्यापारियों को ठेस पहुंची है। व्यापारियों का कहना है कि बिना नोटिस इस प्रकार की कार्यवाही निन्दनीय है। इस कठोर कदम से पूर्व सरकार को व्यापारीयों के साथ बैठक कर वार्ता करनी चाहिए थी, तदोपरान्त निष्कर्ष निकलने पर ही उचित कार्यवाही की जानी चाहिए थी, लेकिन राज्य सरकार एक तरफ यह अभियान चला रही है, दूसरी तरफ उन्हीं के लोग सरकार के विरोध में उतर रहे हैं जो कि मात्र एक दिखावा है। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार की मनमानी इस कदम चरम पर आ गई है कि वह हर वर्ग, तबके के लोगों को किसी न किसी बहाने से परेशान करने पर उतारू है, चाहे वह व्यापारी हों या किसी अन्य वर्ग के। उन्होंने इसको राज्य सरकार की हिटलरशाही करार दिया। इस मौके पर नेता प्रतिपक्ष नीनू सहगल, अशोक वर्मा, पार्षद अशोक कोहली, प्रदेश सचिव सोमप्रकाश वाल्मीकि, सुमित वासुदेव, मनोज कुमार आदि उपस्थित थे। वहीं दूसरी ओर जिला प्रशासन देहरादून द्वारा आज प्रात: 6 बजे से दून के व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर बुलडोजर एवं भारी जेसीबी मशीनों के द्वारा बर्बरता पूर्ण ध्वस्तीकरण की कार्यवाही के विरोध में कल 23 जून को दून उद्योग व्यापार मण्डल के आहवान पर दून का सम्पूर्ण व्यापार बन्द करने का निर्णय लिया गया है ।

यहां जानकारी देते हुए दून उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष विपिन नागलिया एवं महासचिव सरदार अमरजीत सिंह आनंद ने सभी व्यापारियों से अनुरोध किया है कि जिला प्रशासन की असंवैधानिक एवं तानाशाही रवैये के खिलाफ अपने प्रतिष्ठान पूर्ण रूप से बन्द रखने को कहा गया है।

# सरकार के सभी तंत्र होने लगे फेल!

**कपिल मल्होत्रा**

अल्मोड़ा। सरकार के सबसे बड़े परिवहन विभाग में घोटाले की बू आने लग गई है। सरकार लगातार भ्रष्टाचार मुक्त उत्तराखंड का राग आलापने में लगी हुई है, पर कही भी सरकार को कामयाबी नहीं मिल रही है। परिवहन विभाग ने जनता को नेट के माध्यम से घर बैठे टिकट बुकिंग का अलाप जो रचा था।

अल्मोड़ा में इस काम के लिए विभाग ने भी एक नया खेल शुरु कर दिया है। आप चाहे कभी भी नेट में बुक करने बैठे तो आपको टिकट फुल ही मिलेंगे पर अल्मोड़ा में एक सायबर प्वाइंट में आप जब कभी जाए आपको उत्तराखंड परिवहन के टिकट हर समय मिल जाएंगे पर आपको इसके लिए 25 रुपया ज्यादा अदा करना पड़ेगा।

विभाग भी अब काउंटर से टिकट देने में आना कानी करने से बाज नहीं आता। आखिर जनता को कब तक यह लूट का भागीदार बनना पड़ेगा? सरकार जहाँ एक तरफ हर मीटिंग में भ्रष्टाचार मुक्त उत्तराखंड बनाने की बात करते दिखती है वही उसके अपने विभाग कही भी भ्रष्टाचार करने से नहीं चूक रहे है? इसके तो अब दो ही मतलब निकलते है। एक की सरकार की करनी और कथनी में अंतर है या फिर सरकार पर अफसर शाही हावी हो गई है। इसका सीधा उदहारण अल्मोड़ा मैं रोडवेज टिकट के नाम पर खुली लूट,टिकट काउंटर पर टिकटों का ना मिलना और एक ही प्राइवेट साइबर कैफे में मिलना है।

परिवहन विभाग लाखों का व्यवसाय रोज करता है पर फिर भी उसके पास अपने काउंटर में नेट लगाने के लिए कोई साधन नहीं नजर आ रहा है। आखिर क्या कारण है कि और जगह परिवहन विभाग की साइड में अल्मोड़ा के सारे टिकट फुल नजर आते है पर इस एक कैफे में हर समय टिकट कहा से मिल जाता है और क्यों विभाग भी इसी कैफे का पता बता रहा है?

आखिर जनता को कब तक हर जगह ज्यादा पैसा अदा करना पड़ेगा? सरकारी तंत्र को आखिर क्या होता जा रहा है या

फिर कहे कि सरकार का जोर अब अधिकारियों पर नहीं चल पा रहा है।

परिवहन विभाग द्वारा इस तरह की अनियमितता किसी भी हल में बर्दास्त नही की जा सकती है। एक ही व्यक्ति को टिकट का काम देना और जनता को 25 से 30 रूपये ज्यादा लेना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जनता की इस भरपाई को सरकार या परिवहन विभाग में से कौन पूरा करेगा यह जानना भी बहुत जरुरी है?

**रवि रौतेला**
**समाजसेवी**

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक राजेश शर्मा द्वारा इंटर ग्राफिक प्रिंटर्स, 64-नेशविला रोड, देहरादून, उत्तराखण्ड से मुद्रित, 142 श्रीदेव सुमन नगर बल्लूपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।
**सम्पादक :** राजेश शर्मा मो.- 9897598151, **प्रबंध सम्पादक :** अभिषेक शाही मो.- 9897865003 कानूनी सलाहकार: प्रकाश टी पाल **E-mail ID:** crimestory.dial100@gmail.com नोट: समस्त विवाद देहरादून न्यायालय के अधीन ही होंगे।